25 सितम्बर, 2014 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के मध्य प्रदेश स्थित क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, बरवाहा में माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के पुरुष प्रशिक्षणार्थियों के 52वें बैच और महिला प्रशिक्षणार्थियों के 32वें बैच की दीक्षांत समारोह परेड में आज यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। सबसे पहले मैं सभी आरक्षकों को प्रशिक्षण पाठय़क्रम सफलतापूर्वक पूरा करने और इस विशिष्ट बल का हिस्सा बनने पर बधाई देती हूं। मैं पुरस्कार विजेताओं को उनके शानदार कौशल और अनुशासन की भावना के लिए भी बधाई देती हूं और सभी आरक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने अपनी उत्कृष्टता के उच्च मानदंड स्थापित किए हैं और इस अर्धसैनिक बल के कर्मचारी अपने अनुशासन, कर्त्तव्यशीलता और निष्ठा के लिए जाने जाते हैं और ऐसे सुरक्षाकर्मियों के मध्य सर्वोत्कृष्ट आरक्षक का पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करना निश्चय ही एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। वास्तव में यह दीक्षान्त समारोह आपके प्रशिक्षण का अन्त नहीं है बल्कि आज से आपके व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन की नई शुरूआत है जिसके लिए मैं आपको शुभकामनाएं देती हूं।

2. सीआईएसएफ की स्थापना सन् 1969 में हुई थी तथा प्रारंभ में इस बल को पब्लिक सेक्टर इंडस्ट्रीज को सुरक्षा प्रदान करने का कार्य सौंपा गया। समय बीतने के साथ-साथ इस बल की भूमिका में विस्तार करने की आवश्यकता महसूस की गई। अब केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में जवानों की संख्या कई गुना बढ़ गई है और अब यह मल्टी टैलेंटेड सुरक्षा एजेंसी बन गई है जो सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ कार्पोरेट्स, प्राइवेट सेक्टर एवं देश के सामरिक महत्व संबंधी प्रतिष्ठानों को भी सुरक्षा प्रदान कर रही है। इनमें न्यूक्लियर संस्थान, रक्षा उत्पादन इकाइयां, स्टील प्लांट, फर्टिलाइज़र यूनिट, अंतरिक्ष संस्थान, एयरपोर्ट्स, बंदरगाह, पावर प्लांट, सरकारी इमारतें और ऐतिहासिक महत्व की इमारतें शामिल हैं। यह राज्यों के पीएसयू, निजी निगमों और मेट्रो को भी सेवाएं दे रहा है। वर्ष 2000 में सीआईएसएफ को हवाई अड्डे की सुरक्षा का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया। तब से देश के 59 हवाई अड्डों में इस बल की तैनाती की गई है। सीआईएसएफ की वीआईपी सुरक्षा विंग को स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स कहा जाता है और यह बल देश के विभिन्न राज्यों में 44 वीवीआईपी/वीआईपी व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। इनकी मुस्कान, आत्मबल और तेज तर्रार और सतर्क निगाहें हमें आश्वस्त करती हैं कि हम हर खतरे से सुरक्षित हैं।

3. देश में मौजूदा सुरक्षा वातावरण और आतंकवाद के खतरे को देखते हुए यह बल राष्ट्र को समर्पित सेवाएं प्रदान करने के लिए अपने-आप को प्रशिक्षित और अधिक सक्षम कर रहा है। सीआईएसएफ

को उपकरणों और प्रशिक्षण की दृष्टि से लगातार आधुनिक बनाया जा रहा है। किसी भी देश के समग्र आर्थिक विकास के लिए न केवल सुदृढ़ कानून व्यवस्था की आवश्यकता होती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होता है कि देश की अर्थव्यवस्था के सुचारू संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। आज के वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में, जहां तीव्र प्रतिस्पर्धा है और निजी उद्योग के क्षेत्र भी आतंकवाद के रोज नए उभरते हुए खतरों से जूझ रहा है, वहां औद्योगिक सुरक्षा एवं संरक्षा प्रदान करना बहुत महत्वपूर्ण है। यहां सुरक्षा का तात्पर्य केवल भौतिक सुरक्षा से नहीं है बल्कि आप सभी को औद्योगिक क्षेत्र में नई उभरती हुई चुनौतियों से अवगत होना भी आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों को ऐसा बनाना चाहिए जो कि नई चुनौतियां जैसे खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने वाली इकाइयों में मिलावट से सुरक्षा, देश के महत्वपूर्ण परमाणु केन्द्रों, अंतरिक्ष स्टेशन, रक्षा उत्पादन के केन्द्रों से औद्योगिक ड्राइंग और डिजाइन पेटेंट एवं निर्माण प्रक्रिया की चोरी को रोकना तथा साइबर सिक्योरिटी भी शामिल है। हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी नए आयाम जुडते जा रहे हैं जिनमें जैविक एवं रासायनिक हथियार का हमला रोकना, विमान अपहरण या यात्रियों को बंधक बनाए जाने से बचाना भी शामिल है। सीआईएसएफ के जवानों का हवाई अड्डों पर कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण होने के साथ ही दुष्कर भी है क्योंकि उन्हें सुरक्षा जांच में सख्त होने के साथ-साथ उनसे यात्रियों के प्रति सौम्यता एवं शालीनता भी अपेक्षित है। सीआईएसएफ के जवान हाथों में हथियार एवं चेहरे पर मुस्कान लिए स्वागत अधिकारियों का कार्य भी कुशलता से निष्पादित कर रहे हैं।

4. इस बल की शुरूआत तीन बटालियन से हुई थी और 31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार अब इस बल में कार्मिकों की संख्या एक लाख तीस हजार चार सौ जवान है जिसमें लगभग छह हजार महिलाएं हैं। यह कुल मिलाकर तीन सौ बारह इकाइयों को सुरक्षा प्रदान कर रही है जिनमें लाल किला और ताजमहल जैसे ऐतिहासिक धरोहर भी शामिल हैं। सीआईएसएफ का नारा ‘संरक्षण और सुरक्षा’ इसके काम में दिखाई देता है।

5. सीआईएसएफ सरकारी और निजी क्षेत्र में उद्योगों को सेफ्टी और फायर सिक्योरिटी के बारे में टेक्निकल गाइडेंस भी दे रही है। इसका अग्निशमन विंग देश की सभी अग्निशमन सेवाओं में सबसे बड़ा विंग है जो पेट्रो-कैमिकल काम्पलेक्स, रिफाइनरी, स्टील प्लांट, रसायन और फर्टिलाइजर प्लांट, पोर्ट ट्रस्ट, अंतरिक्ष संस्थान, पावर प्लांट, रक्षा मंत्रालय के प्रतिष्ठानों और संस्थानों जैसे अति संवेदनशील, महत्वपूर्ण और जोखिम वाली इकाइयों सभी जगहों पर फायर सेफ्टी का कार्य कर रहा है।

6. देश के आर्थिक विकास में सरकारी क्षेत्र की तरह निजी क्षेत्र की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अतः, निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। तीन दशक से भी

अधिक के व्यापक अनुभव के आधार पर निजी व्यापारिक घरानों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था तैयार करने के लिए पेशेवर सहायता भी दे रहा है। यह बल खतरे का पता लगाने, थेट एनालिसिस, एक्सेस कंट्रोल और पेरीमीटर प्रोटेक्शन, कर्मचारियों की आवश्यकता का आकलन, सुरक्षा व्यवस्था का उपयोग, सुरक्षा और फायर ऑडिट आदि जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा सेवाएं प्रदान कर रहा है।

7. देश की सुरक्षा में महिलाएं भी समान योगदान कर रही हैं। आज महिला प्रशिक्षणार्थियों के 32वें बैच ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और वे इस महत्वपूर्ण बल का हिस्सा बनने जा रही हैं, यह हम सबके लिए गर्व की बात है। सीआईएसएफ की महिलाएं हमारे हवाई अड्डों और मेट्रो में सुरक्षा के लिए तैनात हैं। मेट्रो में नियमों का पालन न करने वाले यात्रियों का मुकाबला करने के लिए सीआईएसएफ की महिला कर्मियों द्वारा महिला यात्रियों को फिलिपीनो मार्शल आर्ट में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

8. कड़ी मेहनत और ईमानदारी सीआईएसएफ कर्मियों की विशेषता रही है और उन्होंने यह बात बार-बार सिद्ध की है। सीआईएसएफ कर्मियों को अपने काम में तनाव झेलना पड़ता है, क्योंकि हमारी सुरक्षा आपके हाथों में है। आप लंबे अरसे तक बिना कोई छुट्टी लिए अपने परिवारों से दूर रहते हैं। इस तरह परिवार से दूर रहते हुए अनेक असुविधाओं के बावजूद पूरी निष्ठा एवं कुशलता के साथ देश की आर्थिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देना गर्व का विषय है।

9. सीआइएसएफ के जवान न केवल सेवा में अपनी उत्कृष्टता प्रदर्शित कर रहे हैं बल्कि खेलकूद के क्षेत्र में भी इन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय स्पर्धाओं में 5 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक अर्जित कर बल का नाम रौशन किया है। अभी हाल ही में सीआईएसएफ के कुश्ती के कोच इंस्पेक्टर महाबीर प्रसाद को "गुरू द्रोणाचार्य अवार्ड-2014" से सम्मानित किया गया है। इससे इस बल के कौशल और प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि हुई है।

एक बार पुनः, आप सबको इस अवसर पर बधाई देती हूं। हां, एक बात और कि सलामी गारद के निरीक्षण के समय आपकी चुस्ती, स्फूर्ति एवं स्मार्टनेस से मन प्रसन्न हुआ और यह आभास हुआ कि देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सक्षम हाथों में है।